



एच.पी.एस.सी. FAQs

प्रश्न - 1 : कट-ऑफ' क्या है? इसका निर्धारण कैसे होता है?

उत्तर : 'कट-ऑफ' का अर्थ है- वह न्यूनतम निर्धारित (आयोग द्वारा) अंक जिससे प्राप्त करके कोई उम्मीदवार परीक्षा (वर्ष) में सफल होता है। एच.पी.एस.सी. परीक्षा में हर वर्ष प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार के परिणाम में 'कट-ऑफ' तय की जाती है। 'कट-ऑफ' या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार सफल घोषित किये जाते हैं और शेष असफल। आरक्षण व्यवस्था के अंतर्गत यह कट-ऑफ भिन्न-भिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए भिन्न-भिन्न होती है। प्रत्येक वर्ष के लिये कट-ऑफ' कोई स्थिर नहीं होती है बल्कि इसमें हर साल बदलाव होता रहता है। इसका निर्धारण सीटों की संख्या, प्रश्नपत्रों के कठिनाई स्तर तथा उम्मीदवारों की संख्या व गुणवत्ता जैसे कारकों के आधार पर किया जाता है। स्वाभाविकी सी बात है कि अगर प्रश्नपत्र सरल होंगे या उम्मीदवारों की संख्या व गुणवत्ता ऊँची होगी तो कट-ऑफ बढ़ जाएगा और विपरीत स्थितियों में अपने आप कम हो जाएगा।

प्रश्न - 2 : प्रारंभिक परीक्षा के दौरान प्रश्नों का समाधान किस क्रम में करना चाहिये? क्या किसी विशेष क्रम से लाभ होता है?

उत्तर : इसका उत्तर सभी के लिये एक नहीं हो सकता। अगर आप सामान्य अध्ययन एवं सीसैट के सभी विषयों में सहज हैं और आपकी गति भी संतोषजनक है तो आप किसी भी क्रम में प्रश्न हल करके सफल हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में बेहतर यही होता है कि जिस क्रम में प्रश्न आते जाएँ, उसी क्रम में उन्हें हल करते हुए बढ़ें। कनिष्ठ अगर आपकी स्थिति इतनी सुरक्षित नहीं है तो आपको प्रश्नों के क्रम पर विचार करना चाहिये। ऐसी स्थिति में आप सबसे पहले, उन प्रश्नों को हल करें जो सबसे कम समय लेते हैं।

सीसैट के प्रश्नपत्र में यदि आपकी अंग्रेजी ठीक है तो अंग्रेजी बोधगम्यता (English Comprehension) एवं व्याकरण (Grammar) के लगभग 10 से 15 प्रश्नों को पहले हल कर लेना चाहिये क्योंकि उनमें समय कम लगेगा और उत्तर ठीक होने की संभावना ज्यादा होगी। ये 15 प्रश्न करने के बाद आपकी स्थिति काफी मज़बूत हो चुकी होगी। इसके बाद, आप तेज़ी से वे प्रश्न करते चले जिनमें आप सहज हैं और उन्हें छोड़ते चले जो आपकी समझ से परे हैं। जिन प्रश्नों के संबंध में आपको लगता है कि वे पर्याप्त समय मलिन पर किये जा सकते हैं, उन्हें कोई नशान लगाकर छोड़ते चले। अंत में समय बचे तो उन प्रश्नों को करें और नहीं तो छोड़ दें। एक सुझाव यह भी हो सकता है कि एक ही प्रकार के प्रश्न लगातार करने से बचें। अगर आपको ऐसा लगे तो बीच में गणति या तर्कशक्ति के कुछ सवाल कर लें उसके बाद अन्य प्रश्नों को हल करें। सरल से कठिन प्रश्नों की ओर बढ़ने की यह प्रक्रिया सामान्य अध्ययन एवं हिंदी के प्रश्नपत्रों को हल करते समय भी अपनाया जा सकता है।

प्रश्न - 3: परीक्षा में समय-प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है, उसके लिये क्या किया जाना चाहिये?

उत्तर : पछिले प्रश्न के उत्तर में दिये गए सुझावों पर ध्यान दें। उसके अलावा, परीक्षा से पहले मॉक-टेस्ट शृंखला में भाग लें और हर प्रश्नपत्र में परीक्षण करें कि किस वर्ग के प्रश्न कितने समय में हो पाते हैं। ज्यादा समय लेने वाले प्रश्नों को पहले ही पहचान लेंगे तो परीक्षा में समय बर्बाद नहीं होगा। बार-बार अभ्यास करने से गति बढाई जा सकती है।

प्रश्न - 4 : मैं अंग्रेजी में शुरु से ही कमज़ोर हूँ। क्या मैं सीसैट में सफल हो सकता हूँ?

उत्तर : जी हाँ, आप ज़रूर सफल हो सकते हैं। 'सीसैट' में केवल 10-15 प्रश्न ऐसे होते हैं जो सिर्फ अंग्रेजी में होते हैं। ये प्रश्न अंग्रेजी में दिये गए अनुच्छेदों पर आधारित बोधगम्यता (Comprehension) एवं व्याकरण (Grammar) के प्रश्न होते हैं। सच यह है कि अंग्रेजी में दिये गए अनुच्छेद काफी आसान भाषा में होते हैं और बहुत कमज़ोर वदियार्थी भी इनमें से 3-4 सवाल ठीक कर सकते हैं।

प्रश्न - 5 : मैं शुरु से गणति में कमज़ोर हूँ। क्या मैं सीसैट में सफल हो सकता हूँ?

उत्तर : जी हाँ, आप ज़रूर सफल हो सकते हैं। सीसैट के 100 प्रश्नों में से लगभग 15 प्रश्न गणति से पूछे जाते हैं और उनमें से भी आधे प्रश्न तर्कशक्ति (रीजनिंग) के होते हैं। इन प्रश्नों की प्रकृति साधारण होती है। अतः थोड़ा प्रयास करने से ये हल हो जाते हैं। हो सके तो गणति में कुछ ऐसे टॉपिक तैयार कर लीजिये जो आपको समझ में आते हैं और जिनसे प्रायः सवाल भी पूछे जाते हैं। उदाहरण के लिये, अगर आप प्रतश्चितता और अनुपात जैसे शीर्षक तैयार कर लेंगे तो गणति के 3-4 प्रश्न ठीक हो जाएंगे।

प्रश्न - 6 : क्या सभी प्रश्नों को ओ.एम.आर. शीट पर एक साथ भरना चाहिये या साथ-साथ भरते रहना चाहिये?

उत्तर : बेहतर होगा कि 4-5 प्रश्नों के उत्तर निकालकर उन्हें शीट पर भरते जाएँ। हर प्रश्न के साथ उसे ओ.एम.आर. शीट पर भरने में ज्यादा समय खर्च

होता है। दूसरी ओर, कभी-कभी ऐसा भी होता है कि कोई उम्मीदवार अंत में एक साथ ओ.एम.आर. शीट भरना चाहते हैं पर समय की कमी के कारण उसे भर ही नहीं पाते।

ऐसी दुर्घटना से बचने के लिये सही तरीका यही है कि आप 4-5 प्रश्नों के उत्तरों को एक साथ भरते चले। सीसैट के प्रश्नों में प्रायः एक अनुच्छेद या सूचना के आधार पर 5-6 प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसी स्थिति में वे सभी प्रश्न एक साथ कर लेने चाहिये और साथ ही ओ.एम.आर. शीट पर भी उन्हें भर दिया जाना चाहिये। चूँकि गोलों को काले या नीले बॉल पॉइंट पेन से भरना होता है, अतः उन्हें भरते समय विशेष सावधानी रखें। व्हाइटनर का प्रयोग कदापि न करें।

प्रश्न - 7 : क्या 'मॉक टेस्ट' देने से प्रारम्भिक परीक्षा में कोई लाभ होता है? अगर हाँ, तो क्या ?

उत्तर :

- प्रारम्भिक परीक्षाओं के लिये मॉक टेस्ट देना अत्यंत लाभदायक सिद्ध होता है। इसका पहला लाभ है कि आप परीक्षा में होने वाले तनाव (Anxiety) पर नियंत्रण करना सीख जाते हैं।
- दूसरे, समय प्रबंधन की क्षमता बेहतर होती है।
- तीसरे, अलग-अलग परीक्षाओं में आप यह प्रयोग कर सकते हैं कि प्रश्नों को किस क्रम में करने से आप सबसे बेहतर परिणाम तक पहुँच पा रहे हैं। इन प्रयोगों के आधार पर आप अपनी परीक्षा संबंधी रणनीति निश्चित कर सकते हैं।
- चौथा लाभ है कि आपको यह अनुमान होता रहता है कि अपने प्रतस्पर्द्धियों की तुलना में आपका स्तर क्या है?
- ध्यान रहे कि ये सभी लाभ तभी मिलते हैं अगर आपने मॉक टेस्ट शृंखला का चयन भली-भाँति सोच-समझकर किया है। 'दृष्टि' की मॉक टेस्ट शृंखला अत्यंत श्रेष्ठ है जिसमें आप जनवरी से अप्रैल के दौरान काफी सारी जाँच परीक्षाएँ दे सकते हैं।

प्रश्न - 8 : मुख्य परीक्षा के लिये वैकल्पिक विषय चुनते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिये?

उत्तर : उपयुक्त वैकल्पिक विषय का चयन ही वह निर्णय है जिस पर किसी उम्मीदवार की सफलता का सबसे ज़्यादा दारोमदार होता है। विषय चयन का असली आधार सिर्फ यही है कि वह विषय आपके माध्यम में कतिना 'स्कोरिंग' है? विषय छोटा है या बड़ा, वह सामान्य अध्ययन में मदद करता है या नहीं ये सभी आधार भ्रामक हैं। अगर विषय छोटा हो और सामान्य अध्ययन में मदद भी करता हो कति दूसरे विषय की तुलना में 50 अंक कम दलिवाता हो तो उसे चुनना निश्चित तौर पर घातक है। भूलें नहीं कि आपका चयन अंततः आपके अंकों से ही होता है, इधर-उधर के तर्कों से नहीं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/hpsc-faqs>